हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

11 प्रदेश की टीम हैंडबाल की नेशनल जूनियर ...

12 र्मिण व मनरेगा मजदूरों ने सिंचाई ....

CHINAR FABRICS
Chinar Mill Showroom
चिनार मील शोरुम
नजदीक बासिया भवन, हांसी रोड, भिवानी M.: 70567-95900
सबसे सस्ता सबसे अच्छा मिल का माल
हमारे यहां सभी उच्च ब्रांडों के कपड़े उपलब्ध है व आधुनिक मशीनों द्वारा सिलाई भी की जाती है
कोट पैन्ट 1999/-
ब्लेजर 1499/-
वूलन शर्ट 799/-
जैकेट 699/-
शर्ट 499/-

खबर संक्षेप

17 फीडरों की बिजली 10 बजे से रहेगी बंद

भिवानी। औद्योगिक क्षेत्र 33केवी सब स्टेशन में 18 जनवरी रविवार को शटडाउन रखा जाएगा। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्र 33केवी सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले 11केवी के 17 फीडरों की बिजली सप्लाई पूर्णरूप से प्रभावित रहेगी। बिजली निगम के जेई पवन कुमार ने बताया कि 18 जनवरी रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सेक्टर 21, हार्ड स्ट्रिप्स,हरिपुर इंडस्ट्री,पालुवास, बैंक कॉलोनी, गणेश प्लास्टिक, मित्तल पॉलीफिल,निनान वाटर वर्क्स,अग्रवाल फैब्रिक्स, मेट्रो, श्रीश्याम,रोहतक रोड, कृष्णा इंडिपेंडेंट, दिशा जूट,सेक्टर 26,कोल्ड स्टोर व श्रीराम मेट्रो प्लास्टो आदि फीडरों की बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

19 को सौंपेंगे राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस

भिवानी। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियां तेज कर दी। 19 को जिला स्तर पर उपायुक्त को हड़ताल का नोटिस सौंपा जाएगा, जिसमें जिले के कर्मचारी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

खुले दरबार में विधायक के सामने गूंजा बीएडंआर के नाले का मुद्दा

अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार नाले का लेवल सही करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को वार्ड-22 में नगरपरिषद के खुले दरबार में नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि व विधायक घनश्याम सर्राफ के आगे ओवरब्रीज के साथ बनाए गए बीएंडआर के नाले का लेवल सही न होने सहित दूषित पेयजल व गलियों के निर्माण के मुद्दे उठे। इस दौरान लोगों का तर्क था कि नाला तो बना दिया,लेकिन घरों से निकलने वाला पानी आगे बहने की बजाए रिहायशी कॉलोनी की गलियों में एकत्रित हो रहा है। जिससे नई समस्या खड़ी हो गई है। इस पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने तत्काल बीएंडआर के अधिकारियों को नाले के निर्माण में बरती गई अनियमितताओं को लेकर फटकार लगाई और लेवल सही करने के निर्देश दिए। खुले दरबार में क्षेत्र में दूषित पेयजल सप्लाई की समस्या उठाई गई। लोगों ने बताया कि पानी में बदबू आने की वजह से पीने लायक ही नहीं बल्कि किसी अन्य कार्य में प्रयोग नहीं किया जा सकता। इनके अलावा फ्लाइओवर के साथ निर्माणाधीन सर्विस रोड पर लगे बिजली के खंभे हटवाने, कई गलियां नीची पड़ने की वजह से उनको ऊंचा उठाने की मांग की गई। सभी मांगों को जल्द ही पूरा करवाने का भरोसा दिलाया।

लोग बोले- घरों से निकलने वाला पानी आगे बहने की बजाय रिहायशी कॉलोनी की गलियों में एकत्रित हो रहा है

भिवानी। आयोजित खुले दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते और नारियल तोड़कर गलियों का निर्माण शुरू करवाते विधायक सर्राफ और नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह।

- नाले का लेवल सही नहीं बस्ती में जमा हो रहा है दूषित पानी
- 50 लाख की दी सौगात नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरूआत की

शहर में नहीं रहेगी कोई गली कच्ची : भवानी प्रताप सिंह

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को वार्ड -22 में खुला दरबार लगाया गया था। जिसमें दूषित पेयजल व नाले की समस्या रखी गई थी। इन दोनों समस्याओं का जल्द ही समाधान करवाए जाने का भरोसा दिया है। इनके अलावा करीब 50 लाख रुपये की लागत छह गलियों के निर्माण कार्य शुरू करवाया है। लोगों ने कई टूटी और नीची पड़ी गलियों को पक्का करवाए जाने की मांग की है। जिस पर जल्द ही नप कार्य शुरू करवाएगी। शहर में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। शहर के सौंदर्यकरण को लेकर चल रहे कार्य के भी सुझाव हमने मांगे हैं।

सरकारी खजाने धन से लबालब : सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि जिले के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। लोग सार्वजनिक विकास कार्य लेकर आएं। उनको तत्काल पूरा करवाया जाएगा। सीएम नायब सिंह सैनी का भिवानी के साथ विशेष लगाव है। वे दिल खोलकर विकास कार्यों के लिए बजट जारी कर रहे हैं।

50 लाख की लगात से बनेंगी छह गलियां : विधायक सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर दुर्गा कॉलोनी, अशोका कॉलोनी व कृष्णा कॉलोनी में करीब 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली छह गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। इस क्रम में दुर्गा कॉलोनी में भोली के मकान से लेकर कालू चांगिया, गोपाल के मकान से लेकर कालू चांगिया के मकान तक की गली को पक्का करवाए जाने के निर्माण कार्य शुरू करवाया। इनके अलावा सुक्रमपाल टीटी के घर से लेकर प्रकाश के मकान, सरकूलर रोड से लेकर लीला की ढुकान (जैन गली, घुमघाट वाली गली), कृष्णा कॉलोनी में राजेश से राजेंद्र के मकान तक पक्का करवाने का शुभारंभ किया।

ये रहे मौजूद : इस मौके पर पार्षद अशोक कामरा , अनिल कुमार , मनोज खनगवाल के अलावा इंद्रपाल सिंह , शालू अरोड़ा,राधा कृष्ण चावला प्रेम कुमार के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन 22 को

भिवानी। हरियाणा के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरने का सुनहरा अवसर सामने आया है। गोल शॉट बॉल एसोसिएशन ऑफ हरियाणा ने आगामी तीसरी सब जूनियर नेशनल गोल शॉट बॉल चैंपियनशिप के लिए कमर कस ली है। चैंपियनशिप में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के चयन के लिए 22 जनवरी को गांव सरल स्थित एमडी स्कूल में राज्य स्तरीय ट्रायल आयोजित की जाएगी। यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप आंध्र प्रदेश के तिरुपति में 3 से 5 फरवरी तक होंगी, जिसमें देशभर की चुनिंदा टीमें हिस्सा लेंगी।

- गांव सरल स्थित एमडी स्कूल में राज्य स्तरीय ट्रायल आयोजित होगी

गोल शॉट बॉल एसो. ऑफ हरियाणा के अध्यक्ष कोच परमवीर सिवाच व महासचिव कोच विवेक कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि चैंपियनशिप के लिए ट्रायल प्रतियोगिता 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से होगी। ट्रायल प्रतियोगिता की पूरी जिम्मेदारी और देखरेख एसो.के कोषाध्यक्ष अमित कौशिक उमरावत के हाथों में होगी। कोच परमवीर व कोच विवेक ने बताया कि उनका लक्ष्य प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनना है।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका

खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने

के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

खबर संक्षेप

चरखी दादरी। प्रवीण सांगवान को सम्मानित करते मंत्री श्याम सिंह राणा।

चरखी निवासी प्रवीण को मिला भारत गौरव अवार्ड

चरखी दादरी। चरखी निवासी प्रवीण सांगवान को चण्डीगढ़ में ललित होटल में आयोजित कार्यक्रम में भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया। अवार्ड प्रतिभागियों की साधना, समर्पण और उत्कृष्टता का जीवंत दर्शन है। भारत गौरव अवार्ड के मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के गर्वनर गुलाबचन्द कटारिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं सानिध्य गीता मनीषी ज्ञानन्द महाराज का रहा। कार्यक्रम में हरियाणा के पशुपालन मंत्री श्यामसिंह राणा, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, पंजाब की खाद्य व आपूर्ति मंत्रालय की मुख्य सचिव राखी गुप्ता ने भी शिरकत की। सांगवान को ये अवार्ड युवा पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच के लिए प्रदान किया।

पुलिस ने 180 बोतल अवैध देशी शराब पकड़ी

लोहारू। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए छापा मारकर एक कार से 180 बोतल अवैध देशी शराब बरामद करने में सफलता हासिल की है। जबकि कार का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को पहाड़ी से बरालु रोड पर एक कार के माध्यम से अवैध देशी शराब बेचे जाने की गुप्त सूचना मिली। जिस पर पुलिस टीम कार्रवाई करते हुए जैसे ही बताए गए स्थान पर पहुंची तो एक कार चालक पुलिस को देखकर मौके पर ही कार को छोडक़र फरार हो गया।

विवाहिता की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से एक 26 वर्षीय विवाहिता के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। लोहारू पुलिस ने विवाहिता के पति की शिकायत पर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में व्यक्ति ने बताया कि उसकी 26 वर्षीय पत्नी घर से बिना बताए कहीं चली गई तथा उसे दोपहर बाद पत्नी से फोन पर बातचीत भी हुई थी लेकिन उसके बाद से महिला का मोबाइल बंद आ रहा है। पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बिजली योजना को लेकर लोगों को किया जागरूक

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में सोमवार को शहर एवं उसके आसपास के समस्त गांवों में निवास करने वाले नागरिकों को जागरूक करने हेतु प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के अंतर्गत एक विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप की अध्यक्षता विधायक कपूर सिंह द्वारा की जाएगी। कैंप में बिजली निगम के उच्च अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जानकारी देते हुए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि 19 जनवरी को प्रातः 11:30 बजे गुलाब सिंह पार्क बवानी खेड़ा में कैंप आयोजित किया जाएगा।

महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव की जीत का मनाया जश्न

भिवानी। कोर्ट परिसर में शनिवार को भाजपा लीगल सैल की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा लीगल सैल के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता दिनेश वर्मा ने की। बैठक में मुख्य रूप से केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर जी राम जी योजना के क्रियान्वयन और उसके लाभों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के समापन पर अधिवक्ताओं ने महाराष्ट्र निकाय चुनावों (बीएमसी) में भाजपा की शानदार जीत पर खुशी जाहिर कर एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाया और भाजपा के बढ़ते जनाधार पर खुशी जताई।

नीरज चौधरी खेल स्टेडियम के दो खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रदेश की टीम हैंडबाल की नेशनल जूनियर चैंपियनशिप में रही द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

हरियाणा प्रदेश की हैंडबाल टीम ने 47वीं जूनियर नैशनल हेंडबाल चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान हासिल किया है। टीम में नीरज चौधरी खेल स्टेडियम के दो खिलाड़ियों ने टीम को विजयी बनाने में पूरी ताकत लगाकर राष्ट्रीय स्तर पर अव्वल रही है। गांव कालुवाला के नीरज चौधरी खेल स्टेडियम के कोच नरेश बलौदा ने बताया कि दिल्ली के पीतमपूरा स्थित सर्वोदल विद्यालय खेल मैदान में आयोजित 47वीं जूनियर नैशनल हैंडबाल चैंपियनशीप में द्वितीय स्थान हासिल किया है।

दूसरे राज्यों की टीमों को भी प्रशिक्षण लेने के लिए पूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी

टीम में नीरज चौधरी खेल मैदान में प्रशिक्षण लेने वाले सौरभ व तनीष कुमार ने भागीदारी करते हुए अलग-अलग राज्यों की चार टीमों को मात देकर फाइनल मुकाबले में द्वितीय स्थान हासिल किया है। प्रदेश की टीम के बेहतरीन प्रदर्शन पर क्षेत्र के खेल प्रेमियों ने खुशी प्रकट की है। टीम के बेहतरीन प्रदर्शन पर समाजसेवी नीरज चौधरी प्रदीप सांगवान ने टीम के सभी खिलाड़ियों व टीम प्रबंधन को हेंडबाल चैंपियनशीप के नेशनल स्तर के मुकाबले में उपविजेता बनने पर बधाई दी है तथा कहा कि हरियाणा प्रदेश की खेल नीति पर चलते हुए दूसरे राज्यों की टीमों को भी यहां पर प्रशिक्षण लेने के लिए पूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी।

भिवानी। गांव कालुवाला के नीरज चौधरी खेल स्टेडियम के हैंडबाल खिलाड़ी की उपविजेता टीम। फोटो: हरिभूमि

सौरभ व तनिष को दी शुभकामनाएं

क्षेत्र के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने हैंडबाल की टीम में शामिल सौरभ व तनिष नामक खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता नीरज चौधरी को खेल क्षेत्र में लगातार दिए जा रहे सहयोग के लिए मुक्त कंठ से आभार प्रकट किया है। हरियाणा प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन अध्यक्ष कप्तान जसविंद्र मीन बैनीवाल ने भी पिछले दिनों इस स्टेडियम का दौरा कर क्षेत्र के खिलाड़ियों को दी जा रही निःशुल्क सुविधाओं का जायजा लिया तथा जल्द बड़ी खेल स्पर्धा का आयोजन करने का भरोसा दिया था।

बवानीखेड़ा। प्रतियोगिता में बॉल को शॉट मारते हुए। फोटो: हरिभूमि

बवानी खेड़ा के महर्षि वाल्मीकि स्टेडियम में क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज

- विधायक कपूर वाल्मीकि ने शुभारंभ करते हुए पहली बॉल पर लगाया छक्का

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में सृष्टिकर्ता महर्षि वाल्मीकि स्टेडियम में सांसी समाज द्वारा की जा रही क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि पहुंचे और खेल स्टेडियम का मुआयना किया और प्रतियोगिता में पहुंचे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया व युवाओं का जोश, उत्साह और खेल के प्रति समर्पण देखकर मन अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने शुभारंभ करते हुए पहली ही बॉल पर सिक्सर मारकर सभी को उनके युवावस्था में खेलों की यादें ताजा कर दी। विधायक कपूर वाल्मीकि स्वयं क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। वहीं उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए बताया कि खेलों को खेल की भावना से खेलना चाहिए। इस अवसर पर मास्टर राजेश कुमार, राजेश कुमार, डीपीई देवेन्द्र अत्री, विनित तवंर, पार्षद रिंकू सांसी, जोगेन्द्र कुमार, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

भिवानी। युवा मंडलों को खेल किट सौंपते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

युवा मंडल जनशक्ति युवा मंच को खेल किट सौंपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी ब्लॉक के युवा मंडल जनशक्ति युवा मंच को माय भारत विभाग की तरफ से खेल किट दी गई, जिसमें युवाओं के खेल का सामान फुटबॉल, वॉलीबॉल, वॉलीबॉल का नेट आदि दिया। हर साल अनेक युवाओं मंडलों को खेलकूद किट बांटी जाती है और सैंकड़ों युवा इनका उपयोग खेलकूद में करते है। मेरा युवा भारत विभाग के लेखाकार जितेंद्र सैनी ने किट प्रदान की। मंडल अध्यक्ष कपिल भारद्वाज ने कहा भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवाओं देश है, लेकिन आज के डिजिटल युग में जहां फोन और स्क्रीन हमारा काफी समय ले लेते हैं और आलस ने हमारे युवाओं को जकड़ रखा है, ऐसे में मैदान पर उतरना और पसीना बहाना बहुत जरूरी है। यह खेल सामग्री युवाओं को फीट रखने और अपनी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने में मदद करेगी।

इस मौके पर माय भारत की स्वयंसेविका साक्षी शर्मा व स्वयंसेवक प्रवीण व राकेश भी मौजूद रहे। इस मौके पर जनशक्ति युवा मंच के सदस्य हितेश, विकास व सोनू आदि मौजूद थे।

विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

चरखीदादरी। एससीआर स्कूल में जिला स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। उन्होंने खेलों के महत्व और स्वास्थ्य पर उनके सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में 5 किमी साइक्लिंग, 400 मीटर दौड़, 300 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, म्यूजिकल चेयर और डिस्कस थ्रो खेलों का आयोजन किया। इस बार ग्रामीण महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रथम स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को 4100, द्वितीय स्थान पर 3100 और तृतीय स्थान पर 2100 की राशि प्रदान की। मुख्यतिथि ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि मानसिक सशक्तिकरण का भी माध्यम बनते हैं।

श्रीमद भागवत कथा से पूर्व शोभायात्रा एवं कलश यात्रा का भव्य आयोजन

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा ढाढू नगर में डेरा बाबा रामरूप में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पावन आयोजन को लेकर शोभा यात्रा एवं क्लाश यात्रा निकाली गई। जिसमें विधायक कपूर वाल्मीकि के ज्येष्ट भ्राता मास्टर राजेश कुमार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन बसंत पंचमी के पावन अवसर पर किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भारी सहभागिता रहती है। कथा वाचक पंडित नरेश चंद्र शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर शोभायात्रा एवं कलश यात्रा का भी भव्य आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्र की मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मनरेगा में बदलाव पर भड़के श्रमिक

- मनरेगा पर प्रहार कतई मंजूर नहीं, मनरेगा सिर्फ स्कीम नहीं,काम की गारंटी : दलीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

कांग्रेस पार्टी द्वारा काम के अधिकार की रक्षा के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत पंचायत स्तर जनसंपर्क को आगे बढ़ाते हुए विधानसभा हलका बाढ़ड़ा के गांव आदमपुर, बाढ़ड़ा, बेरला में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांव की जनसभा बुलाकर भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा के साथ किए जा रहे खिलवाड़ बाबत विस्तार से विचार रखकर अवगत करवाया। कांग्रेस कार्यकर्ता एवं किसान प्रतिनिधि दलीप सिंह सांगवान ने लोगों को संबोधिकत करते हुए कहा कि मनरेगा सिर्फ स्कीम नहीं बल्कि रोजगार की गारंटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि देश में रोजगार की गारंटी देने वाली कोई स्कीम लागू रहे, इसलिए भाजपा ने स्कीम के नाम व संरचना को बदलते हुए पूर्णतः नष्ट करने की और कदम बढ़ाए हैं। इस अवसर पर मिथिलेश पूर्व पंच, सुमन, कृष्णा, पूनम, संजीत आदि मौजूद रहे।

बाढ़ड़ा। गांव आदमपुर में सरकार की मनरेगा योजना में बदलाव पर रोष प्रकट करते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

सड़क दुर्घटना में सहायता करने पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि: एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए व आमजन को आपातकालीन स्थितियों में आगे आने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरु की गई राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वाले को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, ये बात पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने कही।

उन्होंने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों को गोल्डन ऑवर, चोट लगने के बाद का वह महत्वपूर्ण एक घंटा होता है, जिसमें जान बचने की संभावना सबसे अधिक होती है। उन्होंने कहा कि हादसे में तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करके उनका जीवन बचाना है। योजना से कोई भी व्यक्ति जो मोटर वाहन से जुड़ी गंभीर दुर्घटना के शिकार पीड़ित को तत्काल सहायता देकर अस्पताल पहुंचाता है और उसकी जान बचाता है, उसे राहवीर के रूप में मान्यता दी जाएगी।

फसल खराबे पर भी नहीं मिला मुआवजा

- खेतों में लगभग 80 प्रतिशत तक पानी भरा, खेती पूरी तरह प्रभावित : सांगवान

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री एवं पूर्व प्रत्याशी डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि बारिश के पानी से शत प्रतिशत फसल खराब होने के बावजूद भी सरकार ने किसानों को मुआवजे से वंचित कर दिया। सांगवान ने जन संवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की समस्या सुनीं। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपनी गंभीर समस्याएं डॉ. मनीषा सांगवान के समक्ष रखी। किसानों ने बताया कि उनके खेतों में लगभग 80 प्रतिशत तक पानी भरा रहा, जिससे खेती पूरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि 4.5 महीने तक मोटरें लगातार चलती रहीं, फिर भी फसलें नहीं बच सकीं।

चरखी दादरी। ग्रामीणों को संबोधित करती डॉ. मनीषा सांगवान। फोटो: हरिभूमि

किसानों की आवाज करेंगी मजबूत : सांगवान

किसानों ने बताया कि मौके पर पहुंचे पटवारी द्वारा जलभराव के कारण 75 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक फसल नुकसान दिखाया गया था, लेकिन बाद में अंतिम रिपोर्ट में सरकार द्वारा केवल 0 से 24 प्रतिशत तक ही नुकसान दर्शाया। क्षेत्र में कुल लगभग 3300 एकड़ भूमि है, उसमें से केवल 10 से 15 एकड़ जमीन को ही नुकसानग्रस्त दिखाकर अधिकांश किसानों को मुआवजे से वंचित कर दिया, जो किसानों के साथ सरासर अन्याय है। डॉ. मनीषा ने किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वे मंच के ऊपर किसानों की आवाज बुलंद करेंगी और उनकी सशक्त आवाज बनेंगी। उन्होंने कहा कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगी और उनके अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ेंगी। डॉ. सांगवान ने कहा कि वे हमेशा किसान हित में संघर्ष करती हैं। इस अवसर पर प्रदीप, बबली, कंवर सिंह प्रधान, महेंद्र कवि, पप्पू नंबरदार, आनंद पहलवान,जय भगवान जाखड़, संजय व अजीत पंच आदि मौजूद थे।

कुलवंत, रूपेंद्र, ईश्वर और गांधी को सौंपी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

भिवानी। कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी से विचार-विमर्श कर आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के लिए भिवानी शहरी जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। नई कार्यकारिणी में कुलवंत कोंटिया, रूपेंद्र ग्रेवाल, ईश्वर शर्मा व संजय गांधी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। गुलिया ने बताया कि बलवंत घनघस को महासचिव (संगठन) की जिम्मेदारी दी। आठ अन्य महासचिव नियुक्त किए हैं, जिनमें कैप्टन राम मेहर जांगड़ा, लक्ष्मण सैन, शीला गोरा, शिवकुमार धानक, रमेश वाल्मीकि, रवि सोलंकी, सतीश रखेजा व अमित पंघाल शामिल है। वहीं कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी बलबीर सरोहा को सौंपी गई।

विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, सामाजिक सिद्धांत व अधिगम के परिणाम पर करें ध्यान केंद्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सीबीएसई की ओर से सीबीपी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य,सामाजिक सिद्धांत,अधिगम के परिणाम तथा उन पर ध्यान केंद्रित करने से रहा।

परामर्शदाता के रूप में हिसार से नवीन कुमार एवं रोहित शर्मा ने विद्यालय में शिरकत की। कार्यशाला में बीके विद्यालय एवं खरक मॉडल संस्कृति विद्यालय से शिक्षक वर्ग उपस्थित रहा। सर्वप्रथम विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ विभाग प्रमुख योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

बवानीखेड़ा। कार्यशाला में अतिथियों के साथ शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

सीखने की क्षमता होती है विकसित

मां सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। परामर्शदाता ने रोचक तरीके से कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यशाला का तीन चरणों में विभाजन किया। प्रथम चरण जलपान से पहले, जिसमें अधिगम के परिणामों पर चर्चा की। द्वितीय चरण जलपान के पश्चात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020के मध्यअंतर शिक्षा के पश्चात विद्यार्थी ने क्या सीखा को समझाना तथा तृतीय चरण अपराह्न भोजन पश्चात किया। उन्होंने बताया कि अधिगम परिणाम की ओर बदलाव शिक्षा को अधिक प्रभावी, उद्देश्य पूर्ण और परिणामोन्मुख बनाता है। यह विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता का विकास करता है। उन्होंने अध्यापक वर्ग से यह आश्वासन प्राप्त किया वे कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अपने कक्षा-कक्ष में प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव योगेश शर्मा, समाजसेवी सुभाष शर्मा,मनीष शंकर,आनंद कुमार,कृष्ण, अमित, प्रमोद, कश्मीर भाटी, प्रोमिला वर्मा, कविता कुमारी,मीनू वालिया आदि मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं एवं आदर्शों को अपनाने की जरूरत: अशोक

स्वामी विवेकानंद ने विकट परिस्थितियों में भी भारत को किया मजबूत: भारद्वाज

शिक्षकों एवं युवाओं ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के अंतर्गत नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति के तत्वावधान में हनुमान ढाणी स्कूल में प्रेरणादायक कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में शिक्षाविद विजेंद्र कुमार ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं को आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है, जिसे आज के समय में आत्मसात करने की अत्यंत आवश्यकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, अजय सेठी, सरला अग्रवाल, मास्टर दयानंद ग्रेवाल आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। स्वामी विवेकानंद को नमन करते नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

युवाओं के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत

समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने देश और दुनिया को भारतीय संस्कृति का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि भारत की संस्कृति विश्व में अपनी अलग पहचान रखती है, जिसमें शिक्षा, संस्कार और आध्यात्मिकता का विशेष स्थान है। स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। भारद्वाज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी भारत को मजबूत बनाने का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद के विचारों से न केवल भारत, बल्कि पूरा विश्व शिक्षा ग्रहण करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि प्रत्येक भारतीय के जीवन दर्शन में स्वामी विवेकानंद का जीवन वृतांत अवश्य होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित शिक्षकों एवं युवाओं ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

महिलाओं को पोषण युक्त भोजन लेने को किया प्रेरित

बहल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मंढोलीकलां गांव के आंगनबाड़ी केन्द्र में हमारा पोषण हमारी पंचायत कार्यक्रम के तहत पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं को पोषण युक्त भोजन लेने के लिए प्रेरित किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की व नवजात कन्याओं के साथ सेल्फी लेकर उन्हें आर्शीवाद दिया। शनिवार को सुपरवाइजर रीतू नागर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि जिला अतिरिक्त उपायुक्त के निर्देश पर विभाग द्वारा महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें महिलाओं को खाने में हरी पत्तेदार सब्जियों के प्रयोग करने व खाने में मोटे अनाज बाजरा, रागी व अन्य पौष्टिक तत्वों को शामिल करने बारे जागरूक किया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से हीमोग्लोबिन की जांच करवाने व भरपूर मात्रा में दूध, पनीर के सेवन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोशनी, बीना, शर्मिला, कमलेश, मुनेश, उर्मिला, रजनी, प्रियंका आदि मौजूद रहीं।

खबर संक्षेप

महिलाओं को पोषण के बारे में दी जानकारी

बहल। गांव मंडोली कलां महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मंडोली कलां आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत महिलाओं को हमारा पोषण, म्हारी पंचायत के तहत पौष्टिक आहार के बारे में बताया बाजरा, रागी जैसे मोटे अनाज अपने आहार में शामिल करना बताया। इस मौके पर वर्कर रोशनी, बीना, शर्मिला, कमलेश, मुनेश, उर्मिला, ज्योति, रजनी, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

बापोड़ा में 20 से शुरू होगा सांग महोत्सव

भिवानी। गांव बापोड़ा में सूर्यकवि पंडित लख्मीचंद की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। हरियाणा कला परिषद के विशेष सहयोग से होने वाला कार्यक्रम 20 से 26 जनवरी तक बाबा गोरक्षनाथ व गोगापीर आश्रम में चलेगा। इसमें छह दिनों तक सांगों की प्रस्तुति होगी, जबकि अंतिम दिन रागनी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इस वर्ष का मुख्य आकर्षण पंडित मांगेराम के पोते साहिल रहेंगे।

हंसावास खुर्द में कुत्ते के आतंक से ग्रामीण परेशान

बाढ़ड़ा। हंसावास खुर्द गांव के ग्रामीण एक कुते के आतंक से परेशान है। कुत्ते ने दो दर्जन से अधिक लोगों को काट लिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कुत्ते से बचाव की गुहार लगाई है। ग्रामीण राजबीर सिंह व प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से एक कुता सड़क से गुजरने वाले लोगों को अचानक से काट लेता है।

रवीना ने एसएससी जीडी में पाई 15वीं रैंक

बाढ़ड़ा। गांव गोपी की होनहार बेटी रवीना बलौदा ने एसएससी जीडी परीक्षा में ऑल इंडिया स्तर पर 15वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम देशभर में रोशन किया है। खास बात ये है कि रवीना ने ये बड़ी उपलब्धि अपने पहले ही प्रयास में हासिल की, जो उनकी मेहनत, लगन व आत्म विश्वास को दर्शाती है। गांव गोपी निवासी रवीना बलौदा किसान ईश्वर सिंह बलौदा की पुत्री हैं।

मजदूरों को फर्जी साबित करके सरकार खत्म करना चाहती है श्रम कल्याण बोर्ड

निर्माण व मनरेगा मजदूरों ने सिंचाई मंत्री के आवास पर किया जोरदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर भिवानी दादरी, रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के हजारों निर्माण मजदूरो ने शनिवार को पुराना बस अड्डा स्थित ठाकुर बीर सिंह पार्क में इक्कठा होकर सयुक्त प्रदर्शन करते हुए सिंचाई मंत्री मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर जोरदार प्रदर्शन करके मंत्री के पीए दिलबाग को ज्ञापन सौंपा व मांगो के जल्द समाधान की मांग की। रोष प्रदर्शन व महापड़ाव की सयुक्त अध्यक्षता सीटू नेता धर्मवीर बामला, आईसीटीयू नेता राजेश किकराल, एटक नेता सूबे किकराल, राष्ट्रीय कामगार संघ नेता अशोक कुमार, मनरेगा एवं मेट कामगार संगठन नेता कुलदीप बड़वा, सुजीत सिंह आदि ने की। मंच संचालन सीटू नेता अनिल कुमार,व बलवंत रेवाड़ी व हरि सिंह नारनौल ने किया। रोष प्रदर्शन को भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा के महासचिव सुखबीर सिंह, सीटू दादरी नेता सुमेर धारणी, इंटक नेता रामोतार खोरड़ा, साधु राम रुपाणा, एटक नेता फूल सिंह इंदौरा, आईसीटीयू नेता आजाद मिरान, राष्ट्रीय कामगार संघ नेता सुरेश गुजरानी, किसान सभा नेता कामरेड ओमप्रकाश, जनवादी महिला समिति नेता बिमला घनघस, मनरेगा नेता उपासना, कामरेड रामकुमार आदि ने अपने विचार रखे।

दादरी,रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के निर्माण मजदूरों ने ठाकुर बीर सिंह पार्क में किया प्रदर्शन

भिवानी। मांगों को लेकर सिंचाई मंत्री के आवास के बाहर बैठीं प्रदर्शनकारी महिलाएं व सिचाई मंत्री के आवास पर की गई पुलिस की बेरिकेडिंग का दृश्य।

जी राम जी से मनरेगा कानून को किया खत्म

बैठक में भवन निर्माण यूनियन नेताओं ने बताया कि 14 दिसंबर को हजारों निर्माण व मनरेगा मजदूरों ने कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री आवास पर जोरदार प्रदर्शन किया था। जिस पर मुख्यमंत्री के ओएसडी ने 15 दिन में निर्माण व मनरेगा मजदूरों की समस्याओं का समाधान का आश्वासन दिया था। मगर एक महीना बीतने के बावजूद आज तक निर्माण मजदूरों की मांगो व समस्याओं का समाधान नही किया गया हैं वही दूसरी ओर श्रममंत्री अनिल विज ने श्रम कल्याण बोर्ड में फर्जी वर्कस्लिप का हवाला देकर 95 प्रतिशत निर्माण मजदूरों को फर्जी बताया हैं। भाजपा सरकार 2005 में बने मनरेगा कानून का नाम बदलकर वीबी जीरामजी करके कानून को स्कीम में बदलने के जरिये मनरेगा कानून को खत्म करने का काम किया हैं।

मजदूरों को पूंजीपति घरानों का बनाया गुलाम

सयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के नेताओं ने बताया कि देश व प्रदेश की भाजपा सरकार चार लेबर कोड लागू करके मजदूरों को पूंजीपति घरानों का गुलाम बनाना चाहती है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के बहाने से निर्माण मजदूरों के बोर्ड को खत्म करना चाहती हैं। उन्होने बताया की सरकार की ऑनलाईन नीति व भ्रष्ट अधिकारियों को वर्क स्लिप वैरिफिकेशन का काम देकर सरकार ने ही श्रम कल्याण बोर्ड में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया हैं। सयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा बोर्ड के कार्य को ऑनलाईन किये जाने के समय से ही विरोध करता रहा हैं ओर सरकार को आगाह करता रहा हैं मगर उस समय पर सरकार ने भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों पर कार्यावाही करने की बजाएं निर्माण मजदूरों को ही इसका निशाना बनाया जा रहा हैं। सरकार आज भी भ्रष्ट अधिकारीयों पर कार्यावाही करने की बजाएं वर्कस्लिप के आधार पर बहुमत निर्माण मजदूरों को फर्जी घोषित करके श्रम कल्याण बोर्ड को खत्म करने पर तुली हुई हैं।

ग्रामीण व रोजगार क्षेत्र में जी राम जी योजना से खुलेंगे नए द्वार : किरण

- केंद्र सरकार ने जी राम जी योजना में बदलाव करके योजना की कमियां दूर कीं, इसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर नजर आएंगे : किरण चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

राज्य सभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी योजना जी राम जी (विकसित भारत-रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण) को अब धरातल पर उतार कर इसका लाभ गरीब जन-जन तक पहुंचया जाएगा। गरीब, मजदूर और छोटे किसानों को रोजगार के क्षेत्र में इसका सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सभा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई जी राम जी योजना ग्रामीण देश में गरीबों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और रोजगार के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव है। इसके माध्यम से अब गांव के अंतिम व्यक्ति तक स्वरोजगार और आजीविका के साधन सुनिश्चित किया जाएगा। विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना अनिवार्य है और वी बी जी राम जी योजना इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

बेहतर हुई योजना

सांसद किरण चौधरी ने वी बी जी राम जी योजना को लेकर कहा कि मनरेगा योजना में बदलाव कर केंद्र सरकार ने कुछ भी गलत नहीं किया है, बल्कि योजना को और बेहतर बनाया है जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा मनरेगा योजना में बहुत सारी कमियां थी, जिसके चलते अनियमितताएं होती थी और गरीबों तक 100 दिन का रोजगार नहीं पहुंच पा रहा था, जबकि अब 125 दिनों का रोजगार मिलेगा। पहले कई मामले ऐसे भी मिले हैं जब राज्य केंद्र द्वारा दी गई पूरी ग्रांट को ही खर्च नहीं कर पाए। एक समय के बाद सभी कानूनों में समीक्षा की जाती है और उसकी जो कमियां होती है उनको दूर किया जाता है।

प्रश्नोत्तरी में प्रियंका व भाषण प्रतियोगिता में लगन प्रथम

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में सरस्वती महोत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद ने की। आयोजन सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्रभारी डॉ. ज्योति की कुशल देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेसर मोनिका तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेसर भामा के निर्देशन में हुआ। प्रतियोगिताओं में सरस्वती नदी से संबंधित सांस्कृतिक, पौराणिक, आध्यात्मिक, भौगोलिक एवं ऐतिहासिक तथ्यों का अत्यंत प्रभावशाली एवं सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रियंका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में लगन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान जीता।

100 की जगह 125 दिन रोजगार मिलने का दावा महज ढकोसला

- मनरेगा से देश में करोड़ों मेहनतकशों को न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित होती थी : दानसिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सरकार की नियत में खोट, जीरामजी से मजदूरों का छिनेगा निवाला: दान सिंह

मनरेगा सिर्फ योजना नहीं थी, बल्कि ये काम के अधिकार पर आधारित विचार था। मनरेगा से देश में करोड़ों लोगों को न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित होती थी। मनरेगा पंचायतीराज में सीधा राजनीतिक हिस्सेदारी एवं फाइनेंस स्पोर्ट का साधन था, ये बात पूर्व सीपीएस एवं जिला प्रभारी राव दान सिंह ने शनिवार को लोकनिर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के साथ नियमों में भी बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का 100 की जगह 125 दिन रोजगार मिलने का दावा महज ढकोसला हैं। राव दान सिंह ने कहा कि सरकार की नियत ठीक नहीं हैं, उसकी नियम में खोट हैं। उन्होंने दावा किया कि ये बदलाव 26 करोड़ लोगों का निवाला छीनेगा। इस बदलाव से फायदा कम व नुकसान ज्यादा होगा। पूर्व सीपीएस ने कहा कि मनरेगा एक्ट मजदूरों को हक देता था, वह कोई ऑफिस ऑर्डर से नहीं आया। वह कानून से आया, अब जो नया कानून आया है, वह कोई हक नहीं है।

पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व सीपीएस एवं जिला प्रभारी राव दानसिंह व अन्य।

रोजगार की नहीं है गारंटी

पैसा, काम, योजना सब केन्द्र सरकार तय करेगी. मनेरगा में 90 प्रतिशत बजट केंद्र सरकार देती थी, अब कह रहे हैं कि बजट में 60 प्रतिशत हिस्सा राशि केंद्र की होगी, बाकि 40 प्रतिशत हिस्सा राशि राज्यों की होगी, ये पैसा भी आवंटित क्षेत्रों, पंचायतों और जिलों को ही देंगे। इस नए कानून से अगर 5 प्रतिशत आवंटित लोगों को रोजगार मिल भी गया तो 95 प्रतिशत बेरोजगार ही रहेंगे। 20 साल में गांवों से पलायन नहीं हुआ, लेकिन अब लोग शहरों की ओर पलायन करेंगे। वहीं नए कानून को 125 दिन की रोजगार की गारंटी वाला बता रहे हैं, लेकिन एक दिन भी गारंटी नहीं, क्योंकि केन्द्र सरकार तय करेगी वहां काम मिलेगा। केन्द्र सरकार जितना पैसा राज्यों को अलॉट करेगी, उतना ही काम हो पाएगा।

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में आज सजेगा बाबा श्रीश्याम का भव्य दरबार

भिवानी। छोटी काशी भिवानी में फाल्गुन मास के उपलक्ष्य में श्री श्याम बाबा के भक्तों के लिए एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कृपा सांवरे की परिवार भिवानी की ओर से होने वाले श्रीश्याम फाल्गुन महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। कृपा सांवरे की परिवार के प्रधान मनीष गोयल ने बताया कि कार्यक्रम 18 जनवरी रविवार को होगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण शाम को होने वाली भजन संध्या होगी, जो सायं 6 बजे से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक चलेगी। कार्यक्रम में भजन गायक मास्टर राघव, कोमल तिवारी व निखिल अग्रवाल अपनी सुरीली आवाज से बाबा का गुणगान करेंगे तथा पूरे वातावरण को श्याम मय बनाएंगे।

तरुण ने कांस्य जीतकर स्कूल का नाम किया रोशन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पदक के साथ विजेता।

43वीं राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप में जीता पदक

43वीं राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम ने चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता में जिला के गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल के खिलाड़ी तरूण ने हरियाणा की टीम में खेलकर कांस्य पदक जीत कर गांव व विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय संचालिका रेणुका शर्मा और प्राचार्य बजरंग तंवर ने बताया कि यह प्रतियोगिता 11 जनवरी से 14 जनवरी तक तेलंगाना में आयोजित की गई। जिसमें हरियाणा की टीम ने कांस्य पदक जीता। विद्यालय पहुंचने पर सभी ने खिलाड़ी का माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा की वेद प्रचार, नशामुक्ति, पर्यावरण शुद्धि यज्ञ यात्रा पहुंची भिवानी

भिवानी। आर्य प्रतिनिधि सभा की वेद प्रचार, नशामुक्ति, प्राकृतिक कृषि, संरक्षण एवं पर्यावरण शुद्धि यज्ञ यात्रा भिवानी पहुंची। जन-जागरण का आह्वान आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानंद के नेतृत्व में मानवता एवं पर्यावरण रक्षा के संकल्प के साथ आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विशेष 'जन-जागृति यज्ञ यात्रा' आज भिवानी शहर और आसपास के क्षेत्रों में पहुंची। यह यात्रा वेदों के ज्ञान का प्रचार करने, नशे से मुक्ति दिलाने और यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण शुद्ध करने का संदेश पहुंचा रही है। यज्ञ से वायुमंडल को शुद्ध करना, यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों को उद्देश्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

तालाबंदी से मंडी क्षेत्र के दुकानदार, किसान व राहगीरों को हो रहीं दिक्कतें

मंडी परिसर में गेट नंबर एक के पास सुलभ शौचालय बनाया गया था

अनाजमंडी में महिलाओं एवं पुरुषों के शौचालयों के मेन गेट पर लटके ताले

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

अनाजमंडी में महिलाओं और पुरूषों के लिए बनाए गए सुलभ शौचालय काफी दिनों से बंद पड़े हैं। इस वजह से मंडी क्षेत्र के दुकानदार व मंडी में आने जाने वाले लोगों के लिए भारी परेशानी हो रही है। लोगों की शिकायत पर मंडी कर्मचारियों ने एक बार इन्हें खोला और कुछ दिन बाद इन पर फिर से ताला लगा दिया। गौरतलब है कि जिस समय मंडी में सुविधाओं का विस्तार किया था, उस समय मंडी परिसर में एक नंबर गेट के पास सुलभ शौचालय बनाया गया था। शौचालय बनने से मंडी परिसर के दुकानदार, किसान व राहगीरों बड़ी सुविधा मिली थी।

बहल। अनाजमंडी में बने सुलभ शौचालय के मेन गेट पर लटकता ताला।

सुविधाओं पर संकट

बस स्टैंड, राजगढ मोड़ व मैन रोड पर काम करने वाले लोग इन सुलभ शौचालयों का प्रयोग करते थे, लेकिन काफी समय से इनके मुख्यद्वार ताला लगाकर कर इन्हें बंद कर दिया है। शौचालय बंद होने से लोगों के लिए फिर से परेशानी बन गई है। लोगों ने अनेक बार प्रशासन के समक्ष मैन रोड पर सुलभ शौचालय बनवाने या मंडी परिसर में बने शौचालय को खोलने की मांग की, लेकिन लंबे समय से लोगों की परेशानी पर कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

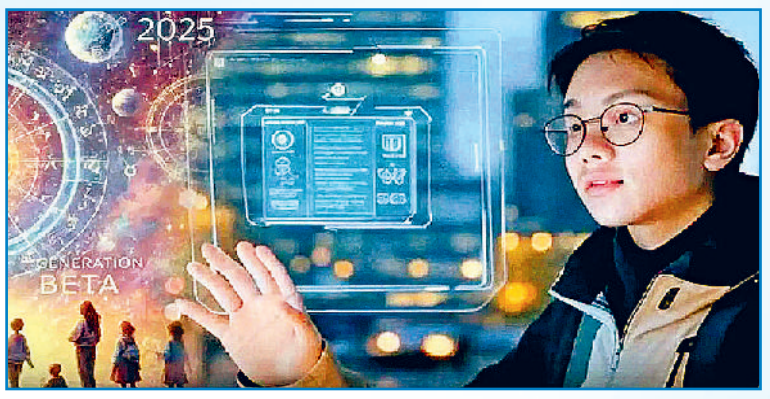

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

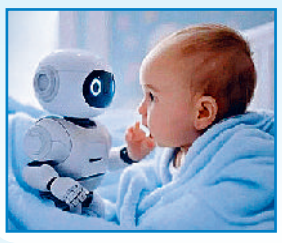

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

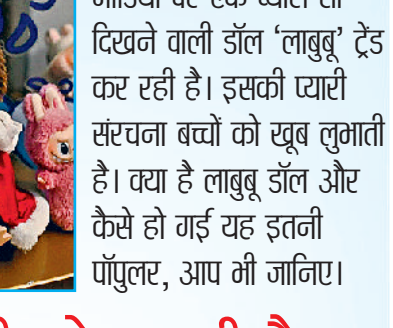
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

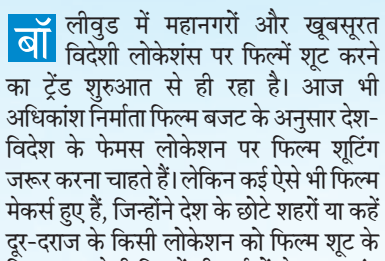
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *